रांची
20/05/2015

ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND

"विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार के अवसर" पर ईक्फाई वि० वि० द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

आज ईक्फाई वि० वि० तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के तत्वावधान में "अगले पाँच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन वि० वि० के दलादली स्थित परिसर में संपन्न हुआ। संगोष्ठी को मेकान, उषा मार्टिन, हिन्दुस्तान वायरलेस जैसे प्रतिष्ठित निर्माण कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने संबोधित किया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वि० वि० कुलपति प्रो० ओ० आर एस राव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री की "मेक इन इंडिया" की पहल विनिर्माण क्षेत्र में अगले पाँच वर्षों में तकनीकि पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की आशा कि जाती है। इसी उद्देश्य को पुरा करने के लिए वि० वि० अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव ~~किया~~ किया है। प्रो० राव ने कहा कि मौजूदा बी. टेक प्रोग्राम के अलावा वि० वि० इस सत्र से 3 वर्षीय प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (पालीटेक्निक) शुरू कर रहा है। इस अवसर पर वि० वि० के एसोसियट डीन प्रो० मदन प्रसाद ने कहा कि बी. टेक (मैकेनिकल) पाठ्यक्रम में सीएडी/सीएम और रोबोटिक जैसे नवीनतम् पाठ्यक्रम को जोड़कर अपडेट किया गया है।

संगोष्ठी में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के पुर्व अध्यक्ष श्री ए० पी० राव ने इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए वि० वि० की सराहना की तथा कहा कि यह झारखंड राज्य में तकनीकी क्षेत्र के छात्रों को पारंगत करने का एक अच्छा पहल है। राजेश्वरम् समूह के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रकांत राघवन ने कहा की झारखण्ड सरकार को विनिर्माण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को विस्तार करने के लिए निवेश लाना होगा। मेकॉन के पुर्व प्रबंध निदेशक श्री अरविंद कुमार ने वि० वि० के छात्रों को सीएडी (CAD) कौशल प्राप्त करने की सलाह दी। उषा मार्टिन के सीनियर जीएम श्री बालकृष्णन वरियर ने छात्रों को सोफ्ट स्किल (Soft skill) में कौशल बढ़ाने की सलाह दी साथ-ही सफलता के लिए चरित्र निर्माण के महत्व पर जोर दिया।

संगोष्ठी का समापन भाषण वि० वि० के शैक्षणिक सलाहकार डॉ हरि हरण ने किया। वि० वि० के कुलसचिव डॉ० बी एन सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।